CUTS International

PRESS RELEASE

CONSUMER UNITY & TRUST SOCIETY - A registered, recognised, non-partisan, non-profit and non-government organisation pursuing social justice and economic equity within and across borders

क्लस्टर अप्रोच के माध्यम से जैविक खेती करना ज्यादा असरदार– प्रो. बलराज सिंह
'कट्स' द्वारा राज्य स्तरीय परिचर्चा का आयोजन

जयपुर, 14 मार्च, 2023।
एस.के.एन. एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी, जोबनेर के कुलपति प्रो. बलराज सिंह ने बताया कि हरित क्रांति के समय देश में खाद्यान्न की बहुत कमी थी, उस समय खाद्यान्न का उत्पादन बढ़ाने के लिए रसायनिक उर्वरक एवं कीटनाशकों को बढ़ावा दिया गया था। परिणामस्वरूप खाद्यान्न का उत्पादन बढ़ा। आज की स्थिति में देश में खाद्यान्न का उत्पादन बहुत अधिक मात्रा में हो रहा है। जैविक खेती का दौर आज शुरू हो रहा है। किसानों को क्लस्टर अप्रोच के माध्यम से जैविक खेती प्रारम्भ करना चाहिए। बलराज सिंह 'कट्स' द्वारा स्वीडिश सोसायटी ऑफ नेचर कंजरवेशन के सहयोग से आयोजित राज्य स्तरीय परिचर्चा में बोल रहे थे।

''राजस्थान राज्य में जैविक खेती की अपार संभावनाएं है।'' उक्त विचार 'कट्स' के निदेशक जॉर्ज चेरियन ने 'कट्स' द्वारा प्रोओर्गेनिक परियोजना के तहत आयोजित राज्य स्तरीय परिचर्चा में व्यक्त किये। अपने प्रारम्भिक उद्बोधन में उन्होंने बताया कि जैविक खेती में क्षेत्रफल की दृष्टि से राजस्थान का दूसरा स्थान है, परंतु पूरे भारत में जैविक क्षेत्रफल का मात्र 2 प्रतिशत है। उन्होंने बताया कि वैश्विक स्तर पर जैविक खेती के क्षेत्रफल में भारत का पांचवा स्थान तथा उत्पादकों की दृष्टि से प्रथम स्थान है, परंतु पूरे विश्व के जैविक खेती के क्षेत्रफल का मात्र ढ़ाई प्रतिशत है। उन्होंने बताया कि जैविक खेती के क्षेत्र में संस्था पिछले दस वर्षों से कार्य कर रही है तथा परियोजना के तहत राज्य के 12 जिलों में मॉडल जैविक ग्राम पंचायतें बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

राजस्थान राज्य बीज एवं जैविक प्रमाणीकरण संस्था की कार्यक्रम अधिकारी दीपिका सैनी ने विभाग द्वारा जैविक खेती करने वाले किसानों को दी जाने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जैविक खेती करने वाले किसानों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए सरकार पूरी तरह से उनकी मदद करने का प्रयास कर रही है, इसके लिए किसानों को भी ईमानदारी से काम करने की जरूरत है। साथ ही, उपभोक्ताओं में विश्वास बनाने की भी जरूरत है।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पद्मश्री लक्ष्मण सिंह लापोड़िया ने अपने सम्बोधन में बताया कि जयपुर जिले के दूदू क्षेत्र के ग्राम लापोड़िया में संस्था द्वारा पानी बचाने के क्षेत्र में कार्य किया गया है। पानी का उपयोग खेती के लिए बहुत ही आवश्यक है, उचित मात्रा में पानी का संरक्षण करते हुए खेती की जा सकती है, साथ ही जैविक खेती में भी इसकी उपयोगिता है। पानी के संरक्षण से क्षेत्र में पर्यावरण का भी सुधार होता है, साथ ही क्षेत्र में रहने वाले वन्य जीव एवं पशु पक्षियों को भी इसका लाभ मिलता है। लक्ष्मण सिंह ने प्रस्तुतिकरण के माध्यम से पानी संरक्षण के क्षेत्र में किये गये कार्य को प्रतिभागियों को बताया।

इससे पूर्व कार्यक्रम के प्रारम्भ में सह निदेशक दीपक सक्सेना ने सभी अतिथियों का स्वागत उद्बोधन किया एवं परियोजना के उद्देश्यों के बारे में जानकारी दी। 'कट्स' के राजदीप पारीक ने परियेाजना में इस वर्ष में आयोजित की गई गतिविधियों एवं पिछले सालों में जैविक खेती के क्षेत्र में हुए महत्वपूर्ण बदलावों एवं उनमें संस्था की भागीदारी के बारे में प्रस्तुतिकरण के माध्यम से जानकारी दी।

कार्यक्रम के दौरान परियोजना में सम्मिलित संस्था प्रतिनिधियों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनके कार्यों को सराहा गया। कार्यक्रम में राजस्थान के बारह जिलों से पधारे प्रगतिशील किसानों, उपभोक्ताओं एवं विभिन्न संस्थाओं के पचास से अधिक भागीदारों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन निमिषा शर्मा ने किया तथा धर्मेन्द्र चतुर्वेदी ने सभी का धन्यवाद दिया।

अधिक जानकारी हेतु सम्पर्क करें:
निमिषा शर्मा (94615 53835)/धर्मेन्द्र चतुर्वेदी (94142 02868)
'कट्स' सेंटर फॉर कन्ज्यूमर एक्शन, रिसर्च एण्ड ट्रेनिंग
डी– 218, भास्कर मार्ग, बनीपार्क, जयपुर
फोनः 141–.5133259, 2282821/2282482; Fax: 141–4015395 ईमेलः nga@cuts.org ; ds@cuts.org